बुधवार
08 जुलाई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 165
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला -

बीकेटीसी के निलंबित कर्मचारी पर मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

चमोली/देहरादून। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष कार्यालय में तैनात व्यक्तिगत सहायक प्रमोद नौटियाल की विभागीय जांच और निलंबन की कार्रवाई के बाद अब उनके खिलाफ पुलिस ने भी मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिस पर अब पुलिस भी जांच में जुट गयी है। वहीं शासन द्वारा भी इस मामले की गम्भीरता को देखते हुए उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गयी है। वहीं मामले में राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि मन्दिरों में चोरी होना गौ हत्या व माता-पिता की हत्या करना जैसा महापाप है। मामले में दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

◆मन्दिरों में चोरी होना है गौ हत्या जैसा महापापः मुख्यमंत्री

बद्रीनाथ मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़े मामले में बीकेटीसी की शिकायत पर बद्रीनाथ थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बीएनएस की धारा 306 और 316(5) की धारा के तहत प्रमोद नौटियाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। वहीं, इससे पहले बद्रीनाथ मंदिर में दान और चढ़ावे में हेराफेरी करने के आरोपी निजी सहायक प्रमोद नौटियाल को निलंबित कर दिया गया था। इसके साथ ही इस मामले में राज्य सरकार ने गढ़वाल आयुक्त आनंद स्वरूप की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति को जांच सौंपी गई। ये जांच समिति 15 दिन के भीतर सरकार को जांच रिपोर्ट सौंपेगी।

श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष कार्यालय में तैनात व्यक्तिगत सहायक प्रमोद नौटियाल के खिलाफ बीकेटीसी के मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की लिखित तहरीर पर थाना बद्रीनाथ में आज मुकदम दर्ज किया गया है। तहरीर के मुताबिक, 2 जुलाई 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से बद्रीनाथ मंदिर में हुई कथित वित्तीय अनियमितता की सूचना मिलने के बाद मंदिर समिति ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। प्रारंभिक जांच में संबंधित कार्मिक प्रमोद नौटियाल द्वारा प्रथम दृष्टया मंदिर धनराशि को सुबह करीब 9 बजे से 9:30 बजे के बीच कथित रूप से अनधिकृत तरीके से धनराशि उठाए जाने की पुष्टि होने का उल्लेख किया गया है।

वहीं मीडिया से वार्ता के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि मन्दिरों में चोरी होना गौ हत्या व माता-पिता की हत्या करना जैसा अपराध है। मामले में दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

हाई कोर्ट के तीन सिटिंग जजों से करायी जाये चढ़ावा चोरी मामले की जांचः बुटोला

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस विधायक लखपत सिंह बुटोला ने कहा कि बद्रीनाथ धाम चढ़ावा चोरी के मामले की हाईकोर्ट के तीन सिटिंग जजों की समिति बनाकर जांच करायी जाये।

आज यहां बद्रीनाथ विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक लखपत सिंह बुटोला ने राजधानी में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में वर्तमान राज्य सरकार और बद्री-केदार मंदिर समिति के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने बद्रीनाथ धाम में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए दान और चढ़ावे में हुई कथित हेराफेरी के मामले में तत्काल प्रभाव से उच्च न्यायालय के तीन सिटिंग जजों की विशेष समिति गठित कर निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी बात रखते हुए विधायक बुटोला अत्यंत भावुक हो गए। उन्होंने अत्यंत व्यथित मन से कहा कि वह उस पवित्र और पावन भूमि का प्रतिनिधित्व करता हैं जहाँ साक्षात भगवान विष्णु का बैकुंठ धाम है, जहाँ गुरुओं की तपोभूमि श्री हेमकुंड साहिब स्थित है। आज हमारे इन पावन देवस्थानों और पवित्र मंदिरों में चढ़ावे की चोरी हो रही है। इस कुकृत्य से उनका मन गहरे दु:ख और पीड़ा से भरा है, और आज देश-विदेश के करोड़ों सनातनियों का मन भी पूरी तरह व्यथित है। इसके साथ ही वर्तमान जांच प्रणाली और सरकार के रवैये पर कड़ा तंज कसते हुए उन्होंने शेर भी पढ़ा:'चोर भी तुम्हारा है सरकार का साया भी तुम्हारा है , तुम चोर को ईमानदार बता दो जाँच अधिकारी भी तुम्हारा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधायक बुटोला ने सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए सिटिंग जजों से जांच की मांग की है। उन्होने कहा कि सरकार की किसी भी विभागीय या स्थानीय जांच पर हमें भरोसा नहीं है। इस महाघोटाले का सच सामने लाने के लिए हाई कोर्ट के तीन सिटिंग जजों की कमेटी से ही समयबद्ध जांच कराई जानी चाहिए। बद्रीनाथ धाम में कथित दान चोरी का मामला केवल वित्तीय भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि देश-विदेश के करोड़ों सनातनियों की धार्मिक आस्था पर गहरा प्रहार है। सत्ता पक्ष में असंतोष का दावा भी किया उन्होंने कहा की सत्ता पक्ष के विधायकों की अपनी ही सरकार में सुनवाई नहीं हो रही है। सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन धरातल पर स्थानीय जनता बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए आज भी तरस रही है। उन्होंने कहा की एक छोटे से कर्मचारी को बलि का बकरा बनाकर सरकार अपनी जवाबदेही से बच नहीं सकती है, बीकेटीसी के सदस्य सरकार चुनती है तो वहाँ धांधली में भी सरकार की जिम्मेदारी है, जिस प्रकार राम मंदिर चढ़ावा मामले में पीएमओ अपनी जवाब देही से नहीं बच सकता क्यूँकि ट्रस्ट में नियुक्ति केंद्र सरकार की तरफ से हुई थी। चोर को हटा कर डकैतों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रेस वार्ता में प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रतिमा सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष लाल चंद शर्मा, चमोली के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह और विजेंद्र रावत उपस्थित रहे।

दून वैली मेल

संपादकीय

दानपात्र में सेंध और जवाबदेही पर सन्नाटा!

करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास से है जो अपनी मेहनत की कमाई का एक हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित करते हैं। लेकिन यदि उसी चढ़ावे पर किसी की नीयत डोल जाए, तो यह केवल चोरी नहीं होतीकृयह आस्था की हत्या होती है। बदरीनाथ धाम में चढ़ावे की कथित हेराफेरी का मामला जितना सामने आया है, उससे कहीं अधिक सवाल उसके पीछे छिपे दिखाई दे रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि एक कर्मचारी पर कार्रवाई कर दी गई है, तो क्या पूरी व्यवस्था निर्दोष मानी जाए? क्या इतने संवेदनशील और करोड़ों रुपये के लेन-देन वाले धार्मिक संस्थान में निगरानी व्यवस्था इतनी कमजोर थी कि किसी को भनक तक नहीं लगी? या फिर सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंद ली गई थीं? यही कारण है कि बदरीनाथ के विधायक द्वारा यह कहना कि राम मंदिर से भी बड़ी चोरी का खुलासा हो सकता है महज राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि जांच एजेंसियों के लिए चुनौती है। यदि इस दावे में जरा भी सच्चाई है, तो फिर यह मामला किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की विफलता का दस्तावेज बन सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाईलेवल जांच समिति बना दी है। यह स्वागतयोग्य कदम है। लेकिन उत्तराखंड की जनता अब केवल समिति गठन की खबर नहीं पढ़ना चाहती, बल्कि उसकी रिपोर्ट भी देखना चाहती है। प्रदेश ने पहले भी अनेक मामलों में जांच समितियां बनते देखी हैं, जिनकी रिपोर्टें या तो फाइलों में दफन हो गई या कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई गई। इस बार ऐसा हुआ तो सबसे बड़ा नुकसान सरकार का नहीं, बल्कि देवभूमि की विश्वसनीयता का होगा। बीकेटीसी द्वारा एक पीए का निलंबन पहला कदम हो सकता है, अंतिम नहीं। यदि करोड़ों की आस्था पर चोट हुई है तो जवाबदेही भी शीर्ष स्तर तक तय होनी चाहिए। किसी भी संस्था का प्रमुख केवल सम्मान का अधिकारी नहीं होता, बल्कि जवाबदेही का भी केंद्र होता है। यदि व्यवस्था में सेंध लगी है तो प्रश्न केवल कर्मचारी पर नहीं, पूरी प्रशासनिक श्रृंखला पर उठेंगे। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में मंदिरों के प्रबंधन को लेकर समय-समय पर विवाद सामने आते रहे हैं। कभी व्यवस्थाओं पर सवाल उठे, कभी वित्तीय पारदर्शिता पर और अब चढ़ावे की सुरक्षा पर। यह सिलसिला यदि नहीं रुका तो श्र(ालुओं का विश्वास डगमगाने लगेगा और जब आस्था का भरोसा टूटता है, तब उसकी भरपाई किसी सरकारी विज्ञापन या प्रेस कान्फ्रेंस से नहीं होती। यह मामला किसी दल के पक्ष या विपक्ष का नहीं है। यह उस नैतिक जिम्मेदारी का प्रश्न है, जिसे निभाने की शपथ सरकार और मंदिर प्रबंधन दोनों लेते हैं। यदि दोषी छोटा कर्मचारी है तो उसे सजा मिले, लेकिन यदि दोष ऊपर तक जाता है तो वहां भी कानून का हाथ उतनी ही मजबूती से पहुंचना चाहिए। देवस्थानों में जवाबदेही का पैमाना पद देखकर नहीं, अपराध देखकर तय होना चाहिए। बदरीनाथ के दानपात्र में यदि वास्तव में सेंध लगी है, तो यह केवल ताले की नहीं, व्यवस्था की विफलता है। अब जांच की नहीं, सच सामने लाने की परीक्षा है। सरकार को यह साबित करना होगा कि देवभूमि में भगवान के नाम पर चढ़े एक-एक रुपये की रक्षा केवल घोषणा नहीं, उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि इस परीक्षा में चूक हुई तो इतिहास यह नहीं लिखेगा कि चोरी किसने की, बल्कि यह लिखेगा कि आस्था की रक्षा कौन नहीं कर पाया।

‘नायक’ आंदोलन से सत्ता तक बना ‘मोहरा’

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। राजनीति में एक कहावत हैकृबैल जितना सीधा होगा, हल उसी के कंधों पर रखा जाएगा। उत्तराखंड राज्य आंदोलन का इतिहास पढ़ते समय यह कहावत बार-बार याद आती है। सवाल केवल यह नहीं कि उत्तराखंड किसने बनाया, बल्कि यह भी है कि जिस दल ने राज्य आंदोलन की आग जलाए रखी, वह सत्ता के दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही हाशिए पर कैसे चला गया? यह कहानी केवल चुनावी हार की नहीं है। यह कहानी राजनीतिक दूरदर्शिता और रणनीतिक भूलों की है। यह कहानी उस क्षेत्रीय दल की है, जिसने उत्तराखंड की अस्मिता को जनांदोलन बनाया, लेकिन राजनीतिक शतरंज की बिसात पर अपने ही मोहरे गंवा बैठा।

बता दें कि वर्ष 1994 का उत्तराखंड आंदोलन अपने उफान पर था। गांव-गांव, कस्बे-कस्बे और शहरों की सड़कों पर एक ही मांग थीकृअलग उत्तराखंड राज्य। उस दौर में उत्तराखंड क्रांति दल केवल एक राजनीतिक दल नहीं था, बल्कि आंदोलन की धड़कन था। जनता की पहली उम्मीद, युवाओं का पहला मंच और राज्य निर्माण का सबसे मुखर राजनीतिक चेहरा। उस समय हालात ऐसे थे कि उत्तराखंड में यूकेडी की स्वीकार्यता किसी समानांतर राजनीतिक सत्ता से कम नहीं थी। दूसरी ओर, भाजपा और कांग्रेस दोनों राष्ट्रीय दल आंदोलन की दिशा को लेकर असमंजस में दिख रहे थे। स्थानीय स्तर पर उनके कई नेता खुलकर नेतृत्व करने से बच रहे थे।

यानी जनभावनाओं का पूरा केंद्र यूकेडी थी और यहीं से शुरू हुआ खेल और यूकेडी समझ ही नहीं पाई। जब आंदोलन अपने चरम पर था, तभी उत्तराखंड संयुक्त संघर्ष समिति का गठन हुआ। इसे आंदोलन को व्यापक बनाने का प्रयास बताया गया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में वर्षों से यह चर्चा रही है कि यहीं से यूकेडी की स्वतंत्र

◆यूकेडी के साथ हुआ उत्तराखंड आंदोलन का सबसे बड़ा राजनीतिक छल
◆आंदोलन यूकेडी ने खड़ा किया, सत्ता की फसल भाजपा-कांग्रेस ने काटी
◆आंदोलन की मशाल से सत्ता के अधियारे तक एक क्षेत्रीय दल की त्रासदी

राजनीतिक पहचान कमजोर पड़ने लगी। यूकेडी के झंडे की जगह संघर्ष समिति का बैनर दिखाई देने लगा। पार्टी का अलग संगठनात्मक चेहरा धुंधला पड़ गया। आंदोलन का नेतृत्व सामूहिक मंच के हवाले हो गया। यही वह मोड़ था, जहां आंदोलन की कमान तो यूकेडी के पास रही, लेकिन उसकी राजनीतिक ब्रांडिंग धीरे-धीरे उसके हाथ से फिसलती चली गई।

राजनीति में भावनाएं जरूरी होती हैं, लेकिन केवल भावनाओं से सत्ता नहीं मिलती। सत्ता के लिए रणनीति चाहिए। 1996 का लोकसभा चुनाव आया।)षिकेश स्थित आईडीपीएल में हुई बैठक में संयुक्त संघर्ष समिति ने नारा दिया राज्य नहीं तो चुनाव नहीं। नारा सुनने में क्रांतिकारी था। मकसद केंद्र सरकार पर दबाव बनाना था। यूकेडी ने इसे आंदोलन की नैतिक लड़ाई मानकर पूरी ताकत चुनाव बहिष्कार में झोंक दी। लेकिन यहीं राजनीति ने अपना असली रंग दिखाया और यूकेडी सड़कों पर रही और भाजपा और कांग्रेस बैलेट पर पहुंच गईं। एक तरफ यूकेडी चुनाव का विरोध करती रही। दूसरी तरफ भाजपा और कांग्रेस बिना किसी हिचकिचाहट के चुनाव मैदान में उतर गईं। मतदान प्रतिशत कम रहा। आंदोलन का असर भी साफ दिखा। लेकिन लोकतंत्र में इतिहास नारे नहीं, मतपेटियां लिखती हैं। कम मतदान के बावजूद राष्ट्रीय दल चुनाव जीत गए।

यानी जिस आंदोलन को खड़ा करने में यूकेडी ने अपनी पूरी राजनीतिक पूंजी लगा दी, उसी आंदोलन की जनभावनाओं का चुनावी लाभ भाजपा और कांग्रेस अपने खाते में दर्ज कराने में सफल रहीं। यूकेडी के हिस्से आया संघर्ष और राष्ट्रीय दलों के हिस्से आई सत्ता। यहीं से उत्तराखंड की राजनीति का सबसे बड़ा विरोधाभास जन्म लेता है, जिस दल ने अलग राज्य का सपना गांव-गांव पहुंचाया, वह सत्ता की दौड़ से बाहर होता चला गया और जिन राष्ट्रीय दलों पर कभी आंदोलन से दूरी बनाने के आरोप लगे, वही आगे चलकर उत्तराखंड की सत्ता के सबसे बड़े दावेदार बन गए।

आंदोलन का नैतिक श्रेय यूकेडी के पास रहा, लेकिन राजनीतिक लाभ भाजपा और कांग्रेस के खाते में दर्ज होता गया। क्या यह राजनीतिक मासूमियत थी या रणनीतिक आत्मघात? आज भी यह सवाल राजनीतिक गलियारों में गूंजता है। क्या यूकेडी ने आंदोलन को राजनीति से अलग मानने की भूल की? क्या उसे यह समझने में देर हो गई कि जनांदोलन और चुनावी राजनीति दो अलग-अलग यु(क्षेत्र होते हैं? क्या उसने विरोधियों की राजनीतिक चाल को बहुत देर से पहचाना? या फिर क्षेत्रीय अस्मिता की लड़ाई लड़ते-लड़ते उसने सत्ता की राजनीति को महत्व ही नहीं दिया? इन सवालों के जवाब अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन इतना तय है कि इतिहास इस मोड़ को यूकेडी की सबसे बड़ी रणनीतिक चूक के रूप में याद करता है।

उत्तराखंड बनने के 25 वर्ष बाद भी यह अध्याय केवल इतिहास नहीं है। यह हर उस क्षेत्रीय दल के लिए चेतावनी है, जो जनभावनाओं का नेतृत्व तो करता है, लेकिन उन्हें चुनावी ताकत में बदलने की रणनीति नहीं बना पाता। राजनीति में संघर्ष जरूरी है, लेकिन संघर्ष को सत्ता तक पहुंचाने की कला उससे भी ज्यादा जरूरी

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

शिवसेना ने की श्रीरामदूत हनुमानजी की विनय आरती

संवाददाता

देहरादून। शिवसेना की स्थानीय इकाई ने श्रीराम दूत हनुमान की आरती का आयोजन किया गया।

आज यहां शिवसेना स्थानीय इकाई द्वारा शिवसेना पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे के निर्देशानुसार प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर श्रीरामदूत हनुमान जी की विनय आरती का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शिवसेना उत्तराखंड के प्रमुख गौरव कुमार ने कहा कि आज पूरे देश ही नहीं, बल्कि विश्वभर का सनातन समाज स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। उनका आरोप है कि श्रीराम मंदिर, अयोध्या, श्री केदारनाथ धाम तथा अन्य धार्मिक स्थलों से जुड़े कथित चंदा चोरी, भूमि बिक्री और निर्माण संबंधी घोटालों ने श्रद्धालुओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है।

उन्होंने कहा कि इस विनय आरती के माध्यम से श्रीरामदूत हनुमान जी से प्रार्थना की गई है कि जिसने भी धर्म और श्रद्धा के नाम पर भ्रष्टाचार या अनियमितता की है, तो उसे शीघ्र कठोर दंड मिले तथा जो भी संगठन या सरकार ऐसे लोगों का संरक्षण कर रही हो, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। गौरव कुमार ने कहा कि जब विवादित ढांचा गिराया गया था, तब स्वयं को सनातनी संगठन बताने वाले अनेक लोग पीछे हट गए थे। उस समय हिंदू हृदय सम्राट बालासाहब ठाकरे ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यदि विवादित ढांचा उनके शिवसैनिकों ने गिराया है, तो मुझे उनपर गर्व है।

बदरीनाथ में चढ़ावे से चोरी पर ‘महासियासत’

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे से कथित चोरी का मामला अब केवल प्रशासनिक जांच तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने राजनीतिक रंग भी पकड़ लिया है। बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने मामले को लेकर धरना देकर विरोध दर्ज कराया और बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष से नैतिक आधार पर इस्तीफा देने की मांग करते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग उठाई। धरने के दौरान विधायक ने दावा किया कि यह मामला सामान्य चोरी का नहीं है, बल्कि जांच आगे बढ़ने पर राम मंदिर से भी बड़ी चोरी का खुलासा हो सकता है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं। सरकार ने गढ़वाल मंडल आयुक्त की अध्यक्षता में हाईलेवल जांच समिति गठित कर पूरे प्रकरण की तह तक जाने को कहा है। सरकार का कहना है कि दोषी चाहे कोई भी हो, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और श्रद्धालुओं की आस्था से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जांच शुरू होते ही बदरी-केदार मंदिर समिति ने भी प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए अध्यक्ष के निजी सहायक प्रमोद नौटियाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया

◆विधायक ने खोला मोर्चा, बोले- जांच हुई तो सामने आएगा ऐतिहासिक घोटाला
◆बदरीनाथ विधायक ने धरना देकर की बीकेटीसी अध्यक्ष से इस्तीफे की मांग
◆राम मंदिर से बड़ी चोरी का हो सकता है खुलासा, विधायक ने किया दावा
◆सीएम ने गठित की हाईलेवल जांच समिति, बीकेटीसी ने पीए को किया निलंबित

है। समिति का कहना है कि जांच पूरी होने तक आवश्यक प्रशासनिक कदम उठाए जा रहे हैं और किसी भी दोषी को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

चढ़ावे की कथित चोरी का मामला अब विपक्ष के लिए सरकार को घेरने का बड़ा राजनीतिक हथियार बनता दिखाई दे रहा है। विपक्ष का आरोप है कि देवभूमि के सबसे बड़े मंदिरों में श्रद्धालुओं की आस्था और दान की सुरक्षा पर सवाल उठना बेहद गंभीर विषय है। ऐसे मामलों में केवल निलंबन पर्याप्त नहीं, बल्कि जवाबदेही तय होनी चाहिए।

चारधाम यात्रा के दौरान करोड़ों श्रद्धालु बदरीनाथ धाम पहुंचते हैं। ऐसे में चढ़ावे में कथित अनियमितता का मामला सरकार और मंदिर समिति दोनों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। यदि जांच में बड़े स्तर की वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है तो इसका असर केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि राजनीतिक स्तर पर भी महसूस किया जा सकता है।

अब पूरे प्रदेश की निगाहें हाईलेवल जांच समिति की रिपोर्ट पर टिकी हैं। यह जांच तय करेगी कि मामला केवल कुछ कर्मचारियों की लापरवाही तक सीमित है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क अथवा संगठित अनियमितता है। फिलहाल, बदरीनाथ धाम में कथित चढ़ावा चोरी का मामला आस्था, प्रशासन और राजनीति तीनों के केंद्र में आ चुका है।

चार दिन तक बिजली की आंख-मिचौली से शहरवासी बेहाल

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। नगर निगम क्षेत्र के भक्तियाना, कमलेश्वर, बागवान, शक्ति विहार, एनआईटी और हथकट्टा क्षेत्रों में पिछले चार दिनों से अनियमित बिजली आपूर्ति ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। उमस भरी गर्मी के बीच लगातार हो रही बिजली की आंख-मिचौली से जनजीवन प्रभावित रहा। व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा जबकि छात्रों की पढ़ाई भी बाधित रही।

कमलेश्वर के व्यवसायी आशुतोष बहुगुणा और गणेश ने बताया कि सुबह के व्यस्त समय में बिजली गुल रहने से फोटोस्टेट, प्रिंटिंग और अन्य कार्य प्रभावित हुए। काम न हो पाने के कारण ग्राहक लौट गए। वहीं, प्रकाश सती और विपिन थपलियाल ने बताया कि लगातार कटौती से दुकानों के फ्रिज ठीक से नहीं चल सके जिससे आइसक्रीम, दूध और अन्य डेयरी उत्पाद खराब हो गए। स्थानीय निवासी गजेंद्र, घनश्याम और दिनेश उनियाल ने बताया कि उमस भरी गर्मी में पंखे और कूलर बंद रहने से परेशानियों का सामना करना पड़ा। रविवार को पूरे दिन बिजली न रहने से लोगों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। एनआईटी के एमटेक सहित अन्य छात्रों ने बताया कि बिजली नहीं होने से लैपटॉप चार्ज नहीं हो पाए और प्रोजेक्ट व शोध कार्य प्रभावित हुए।

पलायन रोकने को थत्यूड़ में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग

नई टिहरी(आरएनएस)। जौनपुर ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग फिर से जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों की ओर से मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजकर ब्लॉक मुख्यालय में केंद्रीय विद्यालय की शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की गई। उनका कहना है कि कई वर्षों से क्षेत्र के लोग केंद्रीय विद्यालय की मांग उठाते आ रहे हैं, लेकिन शासन स्तर पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है।

विकास मंच के सदस्य व पूर्व उप शिक्षा निदेशक चेतन प्रसाद नौटियाल का कहना है कि जौनपुर विकासखंड में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संस्थान का अभाव है। बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए क्षेत्र के लोग लगातार देहरादून, मूसरी के लिए पलायन करते जा रहे है। इसका सीधा असर सरकारी विद्यालयों पर पड़ रहा है। ऐसे में कई प्राथमिक विद्यालयों में छात्र संख्या घटकर दो से पांच तक रह गई है। ग्राम प्रधान कुलबीर रावत, सरस्वती रावत, मेनका सजवाण, जिला पंचायत सदस्य दीक्षा नेगी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य संनबीर बेलवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजकर केंद्रीय विद्यालय की शीघ्र स्वीकृति देने की मांग की है। इस बाबत खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कार्की ने बताया कि थत्यूड़ में केंद्रीय विद्यालय प्रस्तावित है। इसके लिए निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

बहु-विभागीय जनसेवा शिविर में ग्रामीणों को मिली सरकारी योजनाओं की जानकारी

विकासनगर(आरएनएस)। सेवा सप्ताह के अंतर्गत विकासखंड चकराता मुख्यालय ग्वासापुल के सभागार में बहु-विभागीय जनसेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सेवाओं का लाभ भी प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री एवं जनजाति सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष गीताराम गौड़, जनजाति आयोग के सदस्य सरदार सिंह चौहान तथा मंडल अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण कर अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक बैठे पात्र लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।शिविर में उप जिलाधिकारी प्रेम लाल, खंड विकास अधिकारी राकेश बिष्ट, तहसीलदार सुशीला कोठियाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बाल विकास विभाग की ओर से तीन लाभार्थियों को महालक्ष्मी किट वितरित की गई। वहीं, स्वास्थ्य, कृषि, उद्यान, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज समेत अन्य विभागों ने ग्रामीणों को प्रमाण पत्र, योजनाओं की जानकारी तथा विभिन्न सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराईं।इस अवसर पर सहायक खंड विकास अधिकारी नरेन्द्र प्रसाद नौटियाल, सहायक समाज कल्याण अधिकारी खजान सिंह, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अनूप रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पहाड़ की 'कौणी' बदलेगी 'तकदीर'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पहाड़ों में कभी कौणी केवल एक अनाज नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न हिस्सा थी। बरसात के मौसम में खेतों में लहलहाती कौणी की बालियां और सर्दियों में इसकी खीर, भात व रोटी हर घर की रसोई की पहचान हुआ करती थीं। समय के साथ आधुनिक खेती, पलायन और बदलती खानपान की आदतों ने इस पारंपरिक फसल को हाशिए पर पहुंचा दिया। लेकिन अब स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने कौणी को फिर से चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है। आज के दौर में यदि कौणी की खेती को प्रोत्साहन दिया जाए और इसे संगठित बाजार से जोड़ा जाए तो यह उत्तराखंड के पर्वतीय किसानों के लिए आर्थिक मजबूती का बड़ा आधार बन सकती है।

◆पहाड़ की थाली का भूला-बिसरा स्वाद फिर बना सेहत का सितारा
◆कभी हर गांव के खेतों में लहलहाती थी कौणी, अब बना सुपरफूड
◆किसानों के लिए बन सकती है आय का जरिया,बाजार में बढ़ी मांग

कौणी पहाड़ की जलवायु के अनुकूल पारंपरिक मोटा अनाज है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह कम पानी, कम उर्वरक और सीमित संसाधनों में भी अच्छी पैदावार देती है। यही कारण है कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में वर्षों तक यह किसानों की पसंदीदा फसल रही। जलवायु परिवर्तन और घटते जलस्रोतों के दौर में कृषि विशेषज्ञ अब कौणी जैसी फसलों को भविष्य की टिकाऊ खेती का आधार मान रहे हैं। कौणी में प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम और कई आवश्यक खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यही वजह है कि इसे स्वास्थ्यवर्धक आहार माना जाता है। चिकित्सकों के अनुसार यह मधुमेह, मोटापा और पाचन संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी लाभकारी हो सकती है।

पहाड़ों में आज भी कई परिवार कौणी की खीर, भात, दलिया और रोटी को पारंपरिक भोजन के रूप में तैयार करते हैं। पहाड़ों से लगातार हो रहे पलायन, खेती में घटती रुचि और जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक ने कौणी की खेती पर भी असर डाला, जिन गांवों में कभी बड़े पैमाने पर इसकी खेती होती थी, वहां अब यह सीमित क्षेत्रों तक सिमट गई है।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि युवाओं को आधुनिक तकनीक, बाजार और उचित मूल्य उपलब्ध कराया जाए तो कौणी की खेती फिर से गांवों में रोजगार का माध्यम बन सकती है। देश-विदेश में मोटे अनाजों की बढ़ती मांग का लाभ उत्तराखंड को भी मिल सकता है। आर्गेनिक उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच कौणी अब हेल्थ फूड के रूप में अपनी पहचान बना रही है। बड़े शहरों के सुपरमार्केट, आनलाइन प्लेटफार्म और जैविक उत्पादों की दुकानों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सरकार कौणी की ब्रांडिंग, प्रोसेसिंग और विपणन पर विशेष ध्यान दे तो यह किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पलायन रोकने में भी सहायक साबित हो सकती है। कौणी केवल एक फसल नहीं, बल्कि उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। पहाड़ की पारंपरिक कृकृषि व्यवस्था में इसका महत्वपूर्ण स्थान रहा है। बदलते समय में जब दुनिया रसायन मुक्त और पौष्टिक भोजन की ओर लौट रही है, तब कौणी जैसी पारंपरिक फसलें उत्तराखंड की नई पहचान बन सकती हैं। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि कौणी को पर्यटन, होमस्टे और स्थानीय व्यंजनों से जोड़ा जाए तो यह राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

बता दें कि जिस कौणी को कभी पहाड़ की मजबूरी समझकर लोग छोड़ने लगे थे, वही आज स्वास्थ्य और पोषण का प्रतीक बनकर नई पहचान हासिल कर रही है। यदि नीति, बाजार और किसानों का साथ मिला तो यह पारंपरिक फसल केवल खेतों में ही नहीं, बल्कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था और पहचान में भी फिर से मजबूती के साथ लौट सकती है।

डीएम के जनता मिलन में लोगों ने दर्ज कराई 21 शिकायतें

पौड़ी(आरएनएस)। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में शिक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य, आपदा के जोखिमों, मुआवजा समेत विभिन्न समस्याएं छाई रहीं। कार्यक्रम में कुल 21 शिकायतें दर्ज हुईं। डीएम ने सभी शिकायतों को सुन संबंधित विभागों को निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम स्वाति एस भदौरिया ने कलेक्ट्रेट सभागार में लोगों की समस्याओं को सुना। उन्होंने विभागों को समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करते हुए शिकायतकर्ता को सूचित करने के निर्देश दिए। नगर क्षेत्र से सटे चंदोलाराई के ग्रामीणों ने अनियमित पेयजल आपूर्ति और जलस्रोतों के रखरखाव की समस्या डीएम को बताई। इस पर डीएम जल संस्थान को 24 घंटे के भीतर समस्या के समाधान को कहा। रतकोटी निवासी दलवीर सिंह ने वन्यजीव के हमले में घायल पत्नी को उचित मुआवजा देने की मांग उठाई। डांडापानी निवासी मंगतराम ने अपने मकान से सटे पेड़ और मांडाखाल के ग्रामीणों ने प्रार्थना भवन चर्च के ऊपर स्थित देवदार के पेड़ से संभावित खतरा होने की आशंका पर कटान की मांग उठाई। इस मौके पर डीएम ने पूर्व में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण पर हुई प्रगति और सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की। इस मौके पर संयुक्त मजिस्ट्रेट गौरी प्रभात, पीडी विवेक कुमार उपाध्याय, सीएमओ डॉ. शिव मोहन शुक्ला, सीवीओ डॉ. विशाल शर्मा, सीओ सदर तपेश कुमार आदि मौजूद रहे।

कुम्भ मेला 2027: तैयारियों को लेकर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन उत्तराखण्ड ए.पी.अशुमन द्वारा कुम्भ मेला 2027 की तैयारियों के क्रम में सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र हरिद्वार में आयोजित 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारम्भ किया गया, इस अवसर पर डा. योगेन्द्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक, कुम्भ मेला, नवनीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार, आयुष अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, कुम्भ मेला, सुश्री निशा यादव, पुलिस अधीक्षक, यातायात एवं श्रीमति अनुषा बडोला, अपर पुलिस अधीक्षक, सशस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र हरिद्वार मौजूद रहें।

इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन ने कहा कि कुम्भ मेला विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है। इसकी सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने वाले कार्मिकों को भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, आपदा एवं आपातकालीन योजना , संचार व्यवस्था, डिजिटल तकनीकों के उपयोग, जनसंपर्क, महिलाओं, दिव्यांगजनो के साथ मधुर व्यवहार एवं सहायता से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों एवं प्रकाश देवली, सेवानिवृत्त अपर पुलिस अधीक्षक, प्रबोध घिल्डियाल, सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक द्वारा 06 दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन महोदय द्वारा प्रशिक्षणार्थियों से प्रशिक्षण को गंभीरता एवं पूर्ण समर्पण के साथ ग्रहण कर उसका प्रभावी उपयोग कुम्भ मेला ड्यूटी के दौरान करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों, प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने कुम्भ मेला 2027 को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने हेतु पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

दूध वाली चाय के नुकसान

सभी लोग चाय पीना पसंद करते हैं। कइयों की तो नींद ही चाय की प्याली खत्म करने के बाद खुलती है। ये भारतीय समाज का एक अभिन्न अंग बन चुकी है, जिसे हम चाह कर भी नज़र अंदाज नहीं कर सकते। बहुत सारे लोग ऑफिस में दिन भर चाय लेते रहते है, यहां तक की उपवास में भी चाय लेते रहते है। चाय के सेवन करने से शरीर में मौजूद विटामिन्स बहुत जल्द खत्म होते हैं। इसके सेवन से स्मरण शक्ति में भी बहुत दुर्बलता आती है। आइएं इसके बुरे प्रभावों के बारे में जानें।

दूध वाली चाय के नुकसान

-चाय से भूख मर जाती है, दिमाग सूखने लगता है और नींद भी बहुत कम हो जाती है।

-चाय पीने से कैंसर तक होने की संभावना भी बहुत ज्यादा रहती है।

-जो लोग चाय बहुत पीते है उनकी आंतें बहुत जल्द खराब हो जाती है और कब्ज घर कर जाती है। 4-चाय पीने से खून गन्दा हो जाता है और चेहरे पर लाल फुंसियां भी निकल आती है

-चाय में कैफीन और टैनिन होते हैं जो कि शरीर में ऊर्जा भर देते हैंद्य लेकिन ये खून को दूषित करने के साथ शरीर को बहुत कमजोर भी करता है।

-दूध से बनी चाय का सेवन पाचन क्रिया पर बहुत बुरा प्रभाव डालता है और यदि आप इसके साथ कुछ नमकीन खा रहे हैं तो उससे बुरा और कुछ भी नहीं। इससे त्वचा रोग भी होते है।

-चाय के हर कप के साथ एक या अधिक चम्मच शक्कर ली जाती है जो बहुत ज्यादा वजन बढाती है।

-रेलवे स्टेशनों या टी स्टालों पर बिकने वाली चाय का सेवन यदि न करें तो यह बेहतर होगा क्योंकि ये बर्तन को साफ किए बिना कई बार इसी में चाय बनाते रहते हैं जिस कारण कई बार चाय बहुत ज्यादा विषैली हो जाती है।

-भूलकर भी ज्यादा देर तक थर्मस में रखी चाय का सेवन कभी भी न करें।

-चायपत्ती को कम उबालें तथा एक बार चाय बन जाने पर इस्तेमाल की गई चायपत्ती को जरूर फेंक दें।

फैशन के दौर में खूबसूरत दिखने के लिए स्किन के अनुसार करें सनग्लासेस का इस्तेमाल

फैशन के दौर में लोग अपने पहनावे पर अधिक ध्यान देते हैऐसे में एक चीज और होती है, जो कि आपको आकर्षक दिखाने में मदद करती हैयह आपका सनग्लास है, जिसका इस्तेमाल आप आंखों का धूप से बचाने के लिए करते हैलेकिन आप यदि अपनी स्किन के अनुसान सनग्लासेज का इस्तेमाल करते है, तो आपकी खूबसूरती में चार चांद लग सकते है।

लेंस का रंग-

आपके धूप के चश्मे का आपकी त्वचा की टोन से सही मिलान होना आवश्यक हैइसके लिए चश्में का फ्रेम और लेंस के रंग आपकी त्वचा की टोन से मैच करेंऐसी नहीं करने से आपका पूरा लुक संभावित रूप से खराब हो सकता है।धूप में निकलते समय अधिकत्तर लोग सनग्लास का इस्तेमाल करते हैइसलिए आप खुद को स्टाइलिश दिखाने के लिए धूप के चश्मे का इस्तेमाल करते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि यह आपकी स्किन से मेल खाता हुआ दिखाई दें।

चश्में का फ्रेम-

इससे आपके चेहरे की खूबसूरती बढ़ती है और आप आकर्षक दिखाई देते है। याद रखें, आपकी त्वचा टोन आपके चेहरे के लिए कैनवास सेट करती है, और आपके धूप के चश्मे के रंग विपरीत या पूरक होना आपके लुक को बिगड सकता है।यदि आपकी त्वचा सांवली है, तो आप धूप के चश्में को सुनहरा-आधारित फ्रेम चुनकर अपनी त्वचा को अनुसार चेहरे की खूबसरूती को बढ़ सकते है।इसके लिए आप पीला, भूरा, लाल, नारंगी रंग का चश्में के फ्रेम का इस्तेमाल कर सकते है क्योंकि यह रंग सांवली त्वचा को आकर्षक दिखाने में मदद करते है। अगर आपकी स्किन टोन अच्छी है तो ब्लू-बेस्ड फ्रेम वाले सनग्लासेस सबसे अच्छे हैं।आप अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए हरा, काला, ग्रे, गुलाबी, चांदी और बैंगनी रंग के फ्रेम वाले धूप के चश्में का इस्तेमाल कर सकते है।

क्या रोजाना स्ट्रेचिंग करने से कम हो सकती है चोट लगने की संभावना? जानिए सच्चाई

रोजाना स्ट्रेचिंग करने की आदत को स्वस्थ जीवनशैली का एक अहम हिस्सा माना जाता है। कई लोग मानते हैं कि इससे शरीर का लचीलापन बढ़ता है और चोट लगने की संभावना कम होती है। हालांकि, क्या सच में रोजाना स्ट्रेचिंग करने से चोट लगने की संभावना कम हो जाती है? इस लेख में हम इसी सवाल का जवाब जानेंगे और समझेंगे कि स्ट्रेचिंग का शरीर पर क्या असर पड़ता है।

स्ट्रेचिंग और लचीलापन

स्ट्रेचिंग करने से मांसपेशियों में खिंचाव की क्षमता बढ़ती है, जिससे वे बेहतर तरीके से काम कर सकती हैं। लचीली मांसपेशियां चोट लगने की संभावना को कम कर सकती हैं, क्योंकि वे आसानी से खिंचती और सिकुड़ती हैं। हालांकि, यह जरूरी नहीं कि रोजाना स्ट्रेचिंग करने से ही लचीलापन बढ़े। सही तरीके से स्ट्रेचिंग करना भी उतना ही जरूरी है। अगर आप गलत तरीके से स्ट्रेचिंग करेंगे तो इससे उल्टा फायदा होने के बजाय नुकसान हो सकता है।

वार्म-अप का महत्व

किसी भी शारीरिक गतिविधि से पहले शरीर को तैयार करना बहुत जरूरी होता है। इससे शरीर तैयार हो जाता है और मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं, जिससे चोट लगने का खतरा कम होता है। अगर आप किसी एक्सरसाइज या खेल से पहले अच्छी तरह शरीर को तैयार नहीं करेंगे तो सीधे स्ट्रेचिंग करने से शरीर पर दबाव पड़ सकता है, जिससे चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा शरीर को तैयार करने को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

सही तरीका अपनाएं

स्ट्रेचिंग करते समय सही तरीका अपनाना बहुत जरूरी होता है। गलत तरीके से की गई स्ट्रेचिंग से भी चोट लग सकती है। उदाहरण के लिए, अगर आप जल्दी-जल्दी या जोर-जोर से स्ट्रेचिंग करेंगे तो इससे मांसपेशियां फट सकती हैं या खिंचाव आ सकता है। इसके अलावा गलत दिशा में खिंचाव लेने से भी चोट लग सकती है। इसलिए, हमेशा धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक स्ट्रेचिंग करें, ताकि किसी तरह का नुकसान न हो।

नियमित अभ्यास का महत्व

रोजाना स्ट्रेचिंग करने से फायदा तभी मिलता है, जब इसे सही तरीके से किया जाए। अगर आप नियमित रूप से स्ट्रेचिंग करते हैं तो इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनमें खिंचाव कम होता है। इसके अलावा नियमित अभ्यास से रक्त संचार भी बेहतर होता है, जिससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है और चोट लगने की संभावना कम होती है। इसलिए, रोजाना स्ट्रेचिंग करते समय सही तरीका अपनाना जरूरी है।

शब्द सामर्थ्य -081

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

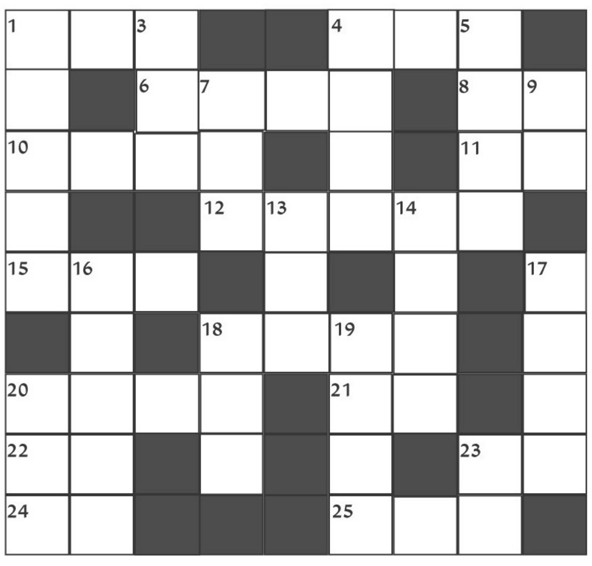

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 80 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

होंठों की देखभाल करते समय न करें ये 5 गलतियां, लग सकती है चोट

होंठों की देखभाल के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं, लेकिन कई बार अनजाने में कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो उनके होंठों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इन गलतियों के कारण होंठ रूखे, फटे या काले हो सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपके होंठ स्वस्थ और सुंदर बने रहें।

लिप बाम का सही इस्तेमाल न करना- लिप बाम का इस्तेमाल करते समय कई लोग उसे सही तरीके से लगाते नहीं हैं। अक्सर लोग लिप बाम को सिर्फ एक बार लगाकर छोड़ देते हैं या फिर बार-बार लगाने की जरूरत नहीं समझते। ऐसा करने से होंठों को पर्याप्त नमी नहीं मिल पाती और वे सूखे हो जाते हैं। लिप बाम को दिन में कम से कम तीन बार लगाना चाहिए, खासकर जब मौसम ठंडा या सूखा हो।

पानी की कमी पर ध्यान न देना- होंठों की देखभाल करते समय पानी पीने पर ध्यान नहीं दिया जाता। शरीर में पानी की कमी होने से होंठ सूखे और फटे हुए दिख सकते हैं। इसलिए रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। इससे न केवल आपके शरीर को नमी मिलेगी, बल्कि आपके होंठ भी स्वस्थ रहेंगे। कोशिश करें कि दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं। इसके अलावा फलों का रस और ताजे पेय भी शामिल करें।

धूप से सुरक्षा न करना- धूप में बाहर निकलते समय सिर्फ चेहरे ही नहीं बल्कि होंठों की भी सुरक्षा करनी चाहिए। सूरज की किरणों से हानिकारक किरणें आपकी त्वचा के साथ-साथ होंठों पर भी बुरा असर डाल सकती हैं। इसलिए जब भी बाहर जाएं, होंठों पर धूप से बचाने वाला लिप बाम जरूर लगाएं। यह आपके होंठों को धूप के हानिकारक प्रभावों से बचाएगा और उन्हें स्वस्थ बनाए रखेगा। इस तरह आप धूप से होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

होंठों की सफाई न करना- होंठों की मृत त्वचा को हटाना बहुत जरूरी होता है ताकि वे स्वस्थ और सुंदर बने रहें। कई लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे होंठ रूखे और फटे हुए दिख सकते हैं। हफ्ते में एक बार हल्के स्क्रब से अपने होंठों को साफ करें। इसके लिए आप चीनी और शहद का मिश्रण बना सकते हैं। इससे आपके होंठ ताजगी महसूस करेंगे और मृत त्वचा हट जाएगी, जिससे वे नरम और मुलायम बने रहेंगे।

गलत खाने की आदतें- आपकी खाने की आदतों का सीधा असर आपके पूरे शरीर पर पड़ता है, जिसमें होंठ भी शामिल हैं। ज्यादा मसालेदार, खट्टे या नमकीन चीजें खाने से होंठों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इससे वे जलन या सूजन जैसी समस्याओं का सामना कर सकते हैं। इसलिए अपनी खाने की आदतों में पौष्टिक चीजों को शामिल करें जैसे फल-सब्जियां, जो आपके शरीर को पोषण देंगी और आपके होंठों को भी स्वस्थ बनाए रखेंगी।

मुंहासे हैं! इन संकेतों से समझें कि त्वचा को चाहिए इलाज

मुंहासों की समस्या आजकल हर उम्र के लोगों में देखने को मिल रही है। गलत खान-पान, हार्मोनल असंतुलन, तनाव और प्रदूषण जैसे कई कारणों से मुंहासे हो सकते हैं। हालांकि, क्या आपको पता है कि मुंहासे भी एक संकेत हो सकते हैं कि आपकी त्वचा को डॉक्टर की जरूरत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपने मुंहासों का इलाज डॉक्टर से करवाना चाहिए।

अगर मुंहासों में दर्द हो तो डॉक्टर से संपर्क करें- अगर आपके मुंहासों में दर्द हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आमतौर पर मुंहासे हल्के होते हैं और इनमें दर्द नहीं होता। अगर मुंहासे दर्द करने लगें तो यह संकेत हो सकता है कि वे गहरे स्तर पर संक्रमित हो गए हैं या इनमें मवाद भर गया है। ऐसे में घरेलू नुस्खे आजमाने की बजाय डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान हो सके।

मुंहासों का बढ़ना- अगर आपके मुंहासे बढ़ रहे हैं या बार-बार नए मुंहासे हो रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपायों से कभी-कभी कुछ समय के लिए राहत मिल सकती है, लेकिन अगर समस्या बढ़ रही है तो डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है।

मुंहासों का ठीक न होना- अगर आप कुछ हफ्तों से घरेलू उपाय अपना रहे हैं, फिर भी आपके मुंहासे ठीक नहीं हो रहे हैं तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपाय कभी-कभी असरदार होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। अगर आपकी समस्या बनी रहती है या बढ़ती जा रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होगा। इससे आपको सही उपचार मिल सकता है और समस्या का समाधान हो सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

दाग-धब्बों का बनना= अगर आपके मुंहासों के निशान या दाग-धब्बे बन रहे हैं तो भी डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। इन दाग-धब्बों को ठीक करने के लिए विशेषज्ञ की मदद लेना बेहतर होता है। इससे आपकी त्वचा को सही उपचार मिल सकता है और दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज, सिंग गीतम' बना करियर का टर्निंग पॉइंट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने बताया कि साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि, बाद में परिस्थितियां बदलीं और उन्हें निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म सिंग गीतम' का हिस्सा बनने का अवसर मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। फिल्म सिंग गीतम' की सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से दूर जाना चाहती थीं। उनके अनुसार, जीवन कभी-कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं।

निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान अभिनेत्री भावुक नजर आईं, उन्होंने कहा कि यदि नाग अश्विन का सहयोग नहीं मिला होता, तो वह शायद किसी शांत स्थान पर आध्यात्मिक जीवन जी रही होतीं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह एक अलग जीवन चुनने की सोच रही थीं, लेकिन अब वह पूरी ऊर्जा और विश्वास के साथ अपने करियर में वापस लौट चुकी हैं।

अभिनेत्री ने फिल्म देखने के दौरान अपने भावनात्मक अनुभव का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी और उसका मैसेज उन्हें बेहद प्रभावित कर गया। उनके अनुसार, यह फिल्म वर्तमान समय की कई महत्वपूर्ण सामाजिक और पर्यावरण संबंधित चुनौतियों को पेश करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि हर शिशु के जन्म पर एक पौधा लगाने की पहल की जाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिल सके।

निवेथा ने यह भी कहा कि उन्हें म्यूजिक बेस्ड फिल्मों और म्यूजिक इवेंट्स से खास लगाव है। उन्होंने बताया कि वह अक्सर लंदन में आयोजित म्यूजिक फेस्टिवल्स में शामिल होती रही हैं और भारत में भी ऐसे आयोजनों की उम्मीद करती थीं। ऐसे में सिंग गीतम' जैसी म्यूजिकल फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने निर्देशक सिंगीथम श्रीनिवास राव की भी जमकर तारीफ की। निवेथा ने उन्हें डायरेक्टर्स के डायरेक्टर बताते हुए कहा कि उनके साथ काम करना उनके करियर के सबसे यादगार अनुभवों में से एक है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन पर भरोसा जताने के लिए वह सभी की आभारी हैं।

प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म दिसंबर 2026 में हो सकती है रिलीज!

साउथ सुपरस्टार प्रभास के पास इन दिनों दो बड़ी फिल्में मौजूद हैं। एक है स्पिरिट और दूसरी है फौजी। उनकी इन दोनों ही फिल्मों का उनके तमाम फैंस को बेसब्री से इंतजार है। स्पिरिट साल 2027 में रिलीज होगी। जबकि फौजी इसी साल यानी 2026 में ही सिनेमाघरों में दस्तक दे सकती है। इसकी रिलीज डेट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। साथ ही इसके टीजर पर भी अहम जानकारी आई है।

फिल्म की रिलीज डेट को लेकर आए अपडेट से पहले आइए इसके टीजर के बारे में अपडेट जान लेते हैं। रिपोर्ट के अनुसार फिल्म की टीम इसके प्रमोशन में जुटने के लिए तैयार है। ये एक बिग बजट फिल्म है और ऐसे में मेकर्स इसके लिए कोई कमी या लापरवाही न बरतते हुए इसका अभी से ही प्रमोशन करने वाले हैं। वहीं टीजर को लेकर अपडेट है कि टीजर की झलक आने वाले हफ्तों में देखने को मिल सकती है। फौजी पर मेकर्स बारीकी से काम कर रहे हैं और वो फैंस को एक बेहतर सिनेमाई अनुभव देना चाहते हैं।

रिपोर्ट्स में फौजी की रिलीज डेट को लेकर भी दावा किया गया। बताया जा रहा है कि प्रभास की ये फिल्म 3 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। मेकर्स इसी डेट पर चर्चा कर रहे हैं। अगर इस पर मुहर लगती है तो साल के आखिरी महीने में प्रभास फौजी अवतार से सिनमाघरों में धूम मचा सकते हैं। अब इन अपडेट्स के आने के बाद फैंस को आधिकारिक ऐलान का भी इंतजार है।

बाहुबली, बाहुबली 2, साहो और सालार जैसी फिल्मों से खुद को साबित कर चुके प्रभास फौजी में एक ऐसे सैनिक के रोल में नजर आएंगे जो अकेला ही पूरी बटालियन के बराबर रहता है। मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर अक्टूबर 2025 में एक्टर के जन्मदिन पर शेयर किया था। ये कहानी इतिहास के अनकहे पन्नों से जुड़ी एक साहसी और बहादुर सैनिक की कहानी है। इसमें प्रभास के साथ लीड रोल में एक्ट्रेस इमानवी इस्माइल नजर आएंगी जो अपना डेब्यू भी कर रही हैं। वहीं फिल्म का हिस्सा हिंदी सिनेमा के दो दिग्गज एक्टर अनुपम खेर और मिथुन चक्रवर्ती भी हैं।

मनेरा बाईपास पर जलभराव से आवाजाही हुई मुश्किल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जिला मुख्यालय के प्रवेश मार्गों में शामिल मनेरा बाईपास सड़क पर जलभराव की समस्या ने आवाजाही को मुश्किल बना दिया है। बरसात शुरू होते ही सड़क के कई हिस्से पानी में डूब गए हैं जबकि एक स्थान पर करीब 20 मीटर तक सड़क तालाब का रूप ले चुकी है। हालात ऐसे हैं कि वाहन चालकों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है।मनेरा बाईपास पर जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई दिखाई दे रही है। सड़क पर जमा पानी के कारण दोपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन बेहद खतरनाक हो गया है वहीं चारपहिया वाहन भी धीमी गति से गुजरने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि संबंधित विभाग की ओर से न तो जल निकासी की समुचित व्यवस्था की गई और न ही समय पर नालियों की सफाई कराई गई। क्षेत्रवासियों ने बताया कि सड़क किनारे बनी नालियां लंबे समय से घास, मलबे और गंदगी से पटी हुई हैं, जिसके कारण बरसात का पूरा पानी सड़क पर जमा हो रहा है। उनका कहना है कि हर वर्ष बरसात के दौरान यही स्थिति उत्पन्न होती है लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।विभाग की इस लापरवाही पर लोगों ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में स्थिति और खराब हो सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है।

एक जेल-एक उत्पाद योजना से जुड़ा जिला कारागार

पौड़ी(आरएनएस)। अब बंदी भी जेल में रहकर पिरुल से आकर्षक और उपयोगी हस्तशिल्प उत्पाद तैयार करेंगे। बंदियों को स्वरोजगार स्थापित कर सम्मानजनक जीवन जीने के लिए तीन सप्ताह का पिरुल क्राफ्ट का उद्यमिता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है।एक जेल-एक उत्पाद योजना के तहत जिला कारागार में जिला उद्योग केंद्र के सहयोग और जनकल्याण सेवा समिति कोटद्वार की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन डीएम स्वाति एस भदौरिया ने किया। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों से तैयार किए जाने वाले सामान की देश-विदेश के बाजारों में लगातार मांग बढ़ रही है। पिरुल जैसे वन संसाधन को उपयोगी उत्पादों में परिवर्तित कर आजीविका का मजबूत माध्यम बनाया जा सकता है। डीएम ने प्रशिक्षण के दौरान वॉल हैंगिंग, बुके मेकिंग, सजावटी वस्तुएं, गृह उपयोगी सामग्री और अन्य नवाचार आधारित उत्पादों का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्पादों की बायबैक व्यवस्था की जाएगी। इससे प्राप्त आय का उपयोग कैदी कल्याण और उनके पुनर्वास संबंधी गतिविधियों में किया जाएगा। डीएम ने जिला उद्योग केंद्र और जेल प्रशासन की इस पहल की सराहनीय बताया।

सू- दोकू क्र.081

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.80का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

मानसून सीजन एवं कांवड यात्रा को लेकर पुलिस सतर्क

❑एसपी द्वारा अधिकारियों की मीटिंग लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। मानसून सीजन तथा आगामी कांवड़ यात्रा-2026 के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा आज पुलिस, फायर एवं एसडीआरएफ अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मानसून सीजन के दौरान जनपद में आपदा न्यूनीकरण, त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों तथा कांवडियों, तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए महत्वपूर्ण निर्देश दिये गये।

बैठक में पुलिस अधीक्षक द्वारा स्पष्ट किया कि मानसून के दौरान जन सुरक्षा सर्वोपरि रहेगी। सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में संभावित जोखिम वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतते हुए आवश्यक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियां समय रहते पूर्ण करें। भारी वर्षा, भूस्खलन, लैंडस्लाइड, मार्ग अवरुद्ध होने तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं की स्थिति में त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए जन-धन की हानि को न्यूनतम करने के निर्देश दिए गए।

कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित संपन्न कराने के लिए यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, प्रभावी यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता तथा कांवडियों/श्रद्धालुओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। आमजन एवं श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार रखते हुए सुरक्षा, सुगम यातायात एवं त्वरित पुलिस सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, ताकि मानसून अवधि एवं कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद में शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था बनी रहे। यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने, ओवरस्पीड, ड्रिंक एण्ड ड्राइव एवं अन्य यातायात उल्लंघनों पर प्रभावी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी, जनक सिंह पंवार, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार, समस्त कोतवाली/थाना प्रभारी, निरीक्षक एलआईयू विकास नौटियाल, निरीक्षक अजय सिंह, सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को अपनाकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान

अल्मोड़ा (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी जिला अल्मोड़ा की ओर से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जयंती संस्मरण पक्ष के तहत पातालदेवी स्थित जिला कार्यालय में जिला कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया।

सम्मेलन में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गान किया। सम्मेलन की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने की। मुख्य वक्ता सरकार के दायित्वधारी शिव सिंह बिष्ट ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए समर्पित रहा।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनावों को लक्ष्य बनाकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को आत्मसात करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए समर्पित भाव से कार्य करना चाहिए। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की विजय सुनिश्चित करने के लिए अभी से सक्रिय होकर कार्य करने का आह्वान किया।

पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष थे और उन्होंने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए वैचारिक राजनीति की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 के विरोध में उनका संघर्ष भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है।

पुरोहित महासंघ उत्तराखंड राज्य ईकाई की बैठक सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय पुरोहित महासंघ उत्तराखंड की नवनियुक्त कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता सिद्धपीठ माँ सुरकंडा मंदिर के पुजारी रमेश लेखवार (अत्रि जी महाराज), द्वारा की गई। बैठक में अध्यक्ष रमेश लेखवार अत्रि जी महाराज, उपाध्यक्ष राजीव थपलियाल, महासचिव उदित पांडेय, प्रदेश प्रवक्ता डॉ स्वामी एस चंद्रा, मीडिया प्रभारी महेन्द्र सिंह राणा, सदस्य राजेश थपलियाल, लेखवार ने महासंघ के विस्तार पर चर्चा की।

उपाध्यक्ष राजीव थपलियाल ने कहा महासंघ के द्वारा उत्तराखंड के समस्त जनमानस के हित में कार्य किया जाना चाहिए। महासचिव उदित पांडेय ने कहा अखिल भारतीय पुरोहित महासंघ उत्तराखंड के सम्पूर्ण सनातन धर्म के लोगों के प्रति बिना किसी भेद भाव के कार्य करेगा। प्रदेश प्रवक्ता डॉ स्वामी एस चंद्रा ने कहा कि महासंघ का कार्य बहुत बड़ा है, हमें सर्व प्रथम संगठन का पूरे राज्य में विस्तार करना होगा, मुख्यमंत्री से मिलकर शिष्टाचार भेंट कर अखिल भारतीय पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा सरकार के द्वारा कालनेमी नियम के निर्णय के लिये गए पूर्ण समर्थन किया जा रहा है, उत्तराखंड राज्य ईकाई भी पूर्ण रुप से सहयोग करेगा।

मीडिया प्रभारी महेन्द्र सिंह राणा ने कहा समस्त समाज को विश्वास में लेकर संगठन काम करेगा तथा अधिक से अधिक विद्वान विभूतियों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अध्यक्षीय उद्बोधन में रमेश लेखवार अत्रि जी महाराज ने कहा अतिशीघ्र मुख्यमंत्री से मिलकर महासंघ की ओर से पुरोहित आयोग का शीघ्र गठन करने की माँग की जाएगी क्योंकि कई राज्यों में पुरोहित आयोग का गठन किया जा चुका है, उत्तर प्रदेश की भाँति उत्तराखंड राज्य में भी आयोग का गठन किया जाय। प्रवक्ता डॉ स्वामी ने बताया कि अध्यक्ष रमेश लेखवार अत्रि जी महाराज ने पुरोहित शब्द को परिभाषित करते हुए कहा कि पुरोहित का अर्थ पर लोगों का हित सोचने वाला बताया, पुरोहित पुरुषार्थ कार्य करना। डॉ स्वामी ने बताया कि प्रथम चरण में महासंघ का विस्तार किया जाएगा तथा राज्य में एक पुरोहित महासंघ के द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, बैठक में माँ ज्वाल्पा सिद्धपीठ के राजेश थपलियाल, शास्त्री लेखवार, अभ्यंश चंद्रा ने अपने विचार व्यक्त किए।

11 जुलाई से सजेगा 'लोक संवर्धन पर्व', जुटेंगे देशभर के अल्पसंख्यक हुनरमंद

संवाददाता

देहरादून। 11 से 15 जुलाई तक परेड ग्राउंड में पांच दिवसीय उत्तरी क्षेत्रीय 'लोक संवर्धन पर्व' का भव्य आयोजन किया जाएगा।

समावेशी विकास और आत्मनिर्भरता को रफ्तार देने के लिए उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में एक बड़ा राष्ट्रीय आयोजन होने जा रहा है। केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की 'प्रधानमंत्री विकास योजना' के अंतर्गत आगामी 11 से 15 जुलाई तक परेड ग्राउंड में पांच दिवसीय उत्तरी क्षेत्रीय 'लोक संवर्धन पर्व' का भव्य आयोजन किया जाएगा। उत्तराखंड अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विकास निगम के तत्वाधान में होने वाले इस राष्ट्रीय स्तर के छठे इवेंट का उद्घाटन सूबे के मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री खजान दास करेंगे। इस ग्रांड इवेंट में उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों के अल्पसंख्यक कारीगर अपने स्वदेशी और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन व विपणन (बिक्री) करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इस श्रृंखला का छठा आयोजन पहली बार उत्तराखंड में हो रहा है। इससे पूर्व दिल्ली के राजघाट, दिल्ली हाट, आईएनए के साथ जम्मू कश्मीर तथा कोच्चि (करेल) में इसका सफल आयोजन हो चुका है। क्लेक्ट्रेट सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि इस प्रतिष्ठित आयोजन के 6वें इवेंट हेतु उत्तराखंड का चयन होना गर्व की बात है, इसलिए भव्यता में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। मानसून सीजन को देखते हुए उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर वॉटरप्रूफ टेंट, जल निकासी, पुख्ता सुरक्षा और फायर क्लीयरेंस की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जिला उद्योग केंद्र के माध्यम से 'बायर-सेलर मीट' और उद्यमियों के बीच संवाद सत्र का आयोजन कराने के साथ ही अल्पसंख्यक कल्याण से जुड़े एनजीओ को भी इसमें शामिल करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर निर्बाध बिजली, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने और नगर निगम को शौचालयों की सफाई के साथ-साथ डेंगू के खतरे को देखते हुए फॉगिंग व दवाओं का नियमित छिड़काव के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को सुचारू यातायात प्लान और आवश्यक सुरक्षा बलों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। राज्य के लोक उत्सव 'हरेला' के पावन अवसर पर आयोजित हो रहे इस पर्व में कुल 160 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें से 130 स्टॉल शिल्पकारों (कारीगरों) के लिए और 30 स्टॉल पारंपरिक व्यंजनों (फूड कोर्ट) के लिए होंगे। स्थानीय हुनर को बढ़ावा देने के लिए 40 प्रतिशत स्टॉल उत्तराखंड के कारीगरों के लिए आरक्षित रखे गए हैं। मंत्रालय के मानकों के अनुसार, महिला और युवा कारीगरों, पहली बार भाग ले रहे हुनरमंदों, लुप्त हो रही कलाओं के जानकारों और छह अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों (मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन व पारसी) के लाभार्थियों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। खास बात यह है कि चयनित कारीगरों को ये स्टॉल पूरी तरह निःशुल्क आवंटित किए जाएंगे। यह पांच दिवसीय पर्व 11 जुलाई से प्रतिदिन सुबह 11:00 बजे से रात्रि 09:00 बजे तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। मेले को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए प्रतिदिन भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी लोक संस्कृति और कला का रंग बिखेरेंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, सिटी मजिस्ट्रेट राकेश चन्द्र तिवारी, सीओ पुलिस जगदीश चन्द्र पंत, महाप्रबंधक अल्पसंख्यक कल्याण निगम डॉ शाहिद सिद्दीकी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय निदेशक जगदीश कुमार, डीजीएम एनएमडीएफसी पीएस पानवीकर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मोटणा झिवाली सड़क का शीघ्र हो निर्माणः नेगी

संवाददाता

देहरादून। विधायक विक्रम सिंह नेगी ने प्रमुख सचिव आनंद बर्द्धन से मुलाकात कर मोटणा झींवाली सडक की दुर्दशा से अवगत कराया।

प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने देहरादून उत्तराखण्ड सचिवालय में प्रमुख सचिव आनंद वर्धन से मुलाकात कर मोटणा झींवाली सड़क की दुर्दशा से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मोटणा झींवाली सडक (डोबरा से मोटणा) जो यहां की जीवन रेखा भी है। बहुत ही बदहाल स्थिति में है। उन्होंने कहा कि यात्रा मार्ग होने की वजह से उत्तरकाशी से जोड़ता है जो धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है का शीघ्र निर्माण कराया जाये। उन्होने कहा कि प्रतापनगर की अन्य लंबित सड़को का शीघ्र निर्माण हो। इस संदर्भ में शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मिला जायेगा।इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व सचिव महेश जोशी भी मौजूद थे।

पांच दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पांच स्थानों से पांच दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने पांचों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार काले की ढाल निवासी उपासना ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आयी तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं हरबसंवाला निवासी तारीफ हुसैन ने घर के बाहर से स्कूटी चोरी होने का मुकदमा पटेलनगर कोतवाली में दर्ज कराया। इसके साथ ही मोथरोवाला निवासी सुधीर कुमार ने केन्द्रीय विद्यालय मोहकमपुर से अपनी एक्टिवा चोरी होने का मुकदमा नेहरू कालोनी थाने में दर्ज कराया। पोटा साहिब निवासी जहरी ने विवेकानंद हास्पिटल से अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा सहसपुर थाने में दर्ज कराया तथा आदर्श नगर रूडकी निवासी डेंजिल ने कोतवाली में दून हास्पिटल पार्किंग से अपनी मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने सभी मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बाइक चोरी मामले का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो नशेड़ियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी बाइक बरामद हुई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज जावेद निवासी ग्राम बेड़पुर कलियर जिला हरिद्वार द्वारा कोतवाली कलियर में तहरीर देकर बताया गया था कि उनकी बाइक को अज्ञात चोरो द्वारा सोहलपुर रोड स्थित खेत से चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने बीती रात एक सूचना के आधार पर एनआईसी कॉलेज धनोरी व तिरछापुल के बीच बावन दर्रा जाने वाली लिंक रोड़ से दो लोगों को चुरायी गयी बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सन्दीप कुमार पुत्र तेलूराम निवासी ग्राम सोहलपुर थाना कलियर हरिद्वार व विशाल कुमार पुत्र तेलूराम निवासी ग्राम सोहलपुर थाना कलियर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

'नायक' आंदोलन से सत्ता तक बना...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

होती है। उत्तराखंड आंदोलन ने राज्य दिया, लेकिन राजनीति ने यह भी सिखा दिया कि जो केवल मशाल उठाता है, जरूरी नहीं कि मंजिल तक पहुंचने का श्रेय भी उसी को मिले और शायद इसी कारण उत्तराखंड की राजनीति में आज भी यह प्रश्न अनुत्तरित है। क्या यूकेडी को जनता ने हराया था, या वह राजनीतिक शतरंज की ऐसी चाल में फंस गई, जहां जीत किसी और की पहले से तय थी?

भारी मात्रा मे हेरोइन के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 91.16 ग्राम हेरोइन बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओटीएफ कुमाऊं तथा कोतवाली किच्छा की चौकी लालपुर पुलिस ने एक सूचना के बाद संयुक्त कार्रवाई करते हुए गुरुद्वारे वाली गली, लालपुर, थाना किच्छा क्षेत्र में प्रभावी चेकिंग एवं कार्रवाई के दौरान एक शातिर आरोपी को 91.16 ग्राम स्मैक (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने अपना नाम मलकीत सिंह पुत्र सोहन सिंह, निवासी गुरुद्वारे वाली गली लालपुर, थाना किच्छा, जनपद ऊधमसिंह नगर, बताया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ कोतवाली किच्छा में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

बलाती फॉर्म में पिटकुल सब स्टेशन निर्माण का जोरदार विरोध

संवाददाता

मुनस्यारी। जैव विविधता एवं पेयजल स्रोत को बचाने के लिए बलाती फॉर्म में पिटकुल सब स्टेशन प्रस्तावित करने के विरोध में बुधवार को प्रदर्शन किया गया। एसडीएम डां ललित मोहन तिवारी को ज्ञापन सौपा गया।

मुनस्यारी बचाओ संघर्ष समिति तथा मल्ला जोहर विकास समिति के बैनर तले एसडीएम कार्यालय में जमा हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि दिसंबर 2025 को ही बलाती फॉर्म में पिटकुल सब स्टेशन निर्माण किए जाने पर कडी आपत्ति दर्ज लिखित में करा दी गई थी। जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई से भी पिथौरागढ़ जाकर मुलाकात की गई थी। उनके सम्मुख बलाती फॉर्म का जैव विविधता तथा पेयजल स्रोतों की दृष्टि से महत्व रखा गया था। 8 माह के बाद फिर 7 जुलाई को पिटकुल तथा तहसील प्रशासन के अफसरों ने पिटकुल सब स्टेशन निर्माण के लिए भूमि चयन हेतु निरीक्षण करने की खबर लगते ही सीमांत के जनप्रतिनिधियों में आक्रोश फैल गया।

एसडीएम को सौपे ज्ञापन में स्पष्ट कहा कि किसी भी सूरत में पिटकुल सब स्टेशन का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। ग्राम पंचायत सेरासुराईधार के पूर्व उप प्रधान दिनेश चंद्र जोशी ने बताया कि तहसीलदार ने पिटकुल सब स्टेशन निर्माण के लिए सेरासुराईधार में भी जमीन देखी है। उन्होंने जमीन उपलब्ध करने के लिए भूमिधरों की ओर से एक सहमति पत्र भी एसडीएम को दिया।

समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत सिंह मर्तोलिया, केदार सिंह मर्तोलिया, बुई के ग्राम प्रधान बाला सिंह रलमाल, उक्रांद के वरिष्ठ नेता लोक बहादुर सिंह जंगपांगी, होटल एसोसिएशन के पूरन पांडेय, हरीश सिंह मर्तोलिया,गणेश राम, मिलम के पूर्व प्रधान भूपेंद्र सिंह जंगपांगी, कुंदन सिंह पांगती, लक्ष्मण सिंह रलमाल आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम डां तिवारी ने बताया कि इस प्रस्ताव को वे जिलाधिकारी को भेज देंगे।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम कथा के समापन समारोह में लिया भाग

●कुंभ-2027 को दिव्य, भव्य और सुरक्षित बनाने का दोहराया संकल्प

संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रेमनगर आश्रम हरिद्वार में आयोजित मोरारी बापू की श्रीराम कथा के समापन समारोह में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज हरिद्वार की पावन धरा पर उन्हें अद्वितीय आध्यात्मिक सुख और आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने मोरारी बापू का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका उत्तराखंड आगमन देवभूमि के लिए ईश्वर की विशेष कृपा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोरारी बापू केवल श्रीराम कथा के वाचक नहीं, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, विचारों और जीवन-दर्शन के जीवंत संवाहक हैं, जिन्होंने विश्वभर में भारतीय संस्कृति, सनातन दर्शन और अध्यात्म का संदेश पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब विश्व युद्ध, हिंसा और आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारत की सनातन संस्कृति का 'वसुधैव कुटुम्बकम' का संदेश पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन और आध्यात्मिक यात्राओं ने इस वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा में पिछले सभी रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दो माह के भीतर ही 45 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। इसी प्रकार हेमकुंड साहिब यात्रा में डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु मत्था टेक चुके हैं, जबकि कैलाश मानसरोवर यात्रा में 5500 से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं, जहाँ पहले पूरे वर्ष में सीमित संख्या में ही यात्रियों को भेजा जाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 जुलाई को कैलाश मानसरोवर यात्रा के प्रथम दल को रवाना करने का सौभाग्य भी उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखंड में विकसित हो रहे बेहतर बुनियादी ढांचे, सुरक्षित यात्रा प्रबंधन और श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने आगामी कुंभ-2027 को दिव्य, भव्य और सुरक्षित बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि कुंभ केवल आस्था का आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक चेतना और सनातन संस्कृति का महापर्व है। कार्यक्रम में परमार्थ निकेतन आश्रम ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, राज्य मंत्री सुनील सैनी, देशराज कर्णवाल, पूर्व विधायक संजय गुप्ता, विक्रम भुल्लर, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए राम भक्त मौजूद थे।

11 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक का वजन 7 किलो हुआ कम

संवाददाता

नई दिल्ली। जंतर मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में 11 दिन से अनशन पर बैठे शिक्षाविद और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हालत बुधवार को और बिगड़ गई। डॉक्टरों ने बताया कि उनका वज़न सात किलोग्राम से ज़्यादा कम हो गया है। सीजेपी का प्रदर्शन 19 दिन से जारी है। इसमें कथित परीक्षा अनियमितताओं पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार की जवाबदेही की मांग की जा रही है।

बुधवार सुबह जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार, वांगचुक का वजन घटकर 59ऋ० किलोग्राम हो गया है, जिससे भूख हड़ताल शुरू होने के बाद से उनके वजन में कुल सात किलोग्राम से ज्यादा की कमी आई है। बैठने की स्थिति में उनका रक्तचाप (बीपी) 1o3/68 और लेटे हुए 111/73 दर्ज किया गया। उनकी दिल के धड़कने की दर 74 प्रति मिनट, रक्त शर्करा स्तर 75 और ऑक्सीजन सैचुरेशन 98 प्रतिशत दर्ज किया गया। बुलेटिन में कहा गया है कि उनके शरीर में पानी का स्तर ठीक था और वह मानसिक रूप से सतर्क हैं।सीजेपी प्रधान के इस्तीफ़े की मांग कर रही है और आरोप लगा रही है कि बार-बार होने वाली परीक्षा अनियमितताओं और पेपर लीक ने छात्रों और उनके परिवारों की जिंदगी बर्बाद कर दी है।सीजेपी ने उसके मूल %एक्स% हैंडल पर लगी रोक को हटाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले का मंगलवार को स्वागत किया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इसे आंदोलन के लिए बड़ी जीत बताया।

दुष्कर्म व गर्भपात मामले में भवाली व्यापार मंडल का अध्यक्ष हिरासत में

हमारे संवाददाता

नैनीताल। दुष्कर्म और गर्भपात के आरोपों के बीच भवाली व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पांडे को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। भवाली के कारोबारी नेता पर गंभीर आरोप है जिन्हे पुलिस ने देर रात घर से हिरासत में लिया है। नैनीताल जिले के भवाली व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पांडे को दुष्कर्म और गर्भपात कराने के लिए मजबूर करने के आरोपों के मामले में पुलिस ने देर रात हिरासत में ले लिया। नैनीताल, भवाली और हल्द्वानी पुलिस की संयुक्त टीम ने उनके आवास पर यह कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि हिरासत के दौरान नरेश पांडे ने फेसबुक लाइव शुरू कर दिया। इसी दौरान उनके द्वारा कोई पदार्थ पीने की भी सूचना सामने आई, जिसके बाद पुलिस ने एहतियातन उन्हें मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भेज दिया। मामले में एक युवती की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और मेडिकल रिपोर्ट सहित उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जनभावनाओं से दूर भाग रही सरकार

◆गणेश गोदियाल का सीएम धामी पर तीखा हमला
◆कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले- जनता सब देख रही
◆सत्ता के अहंकार का जवाब विस चुनाव में मिलेगा

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में विधानसभा चुनाव 2027 से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज हो गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के असली मुद्दों से ध्यान भटका रही है और सत्ता का अहंकार अब खुलकर दिखाई देने लगा है। अपने संबोधन में गोदियाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी राजनीतिक पहचान और जनभावनाओं से भी दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता सब कुछ समझ रही है और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

कांग्रेस नेता ने राज्य में बेरोजगारी, पलायन, महंगाई और विकास कार्यों की गति जैसे मुद्दों को उठाते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि सरकार प्रचार पर अधिक और जनसमस्याओं के समाधान पर कम ध्यान दे रही है। उधर, भाजपा की ओर से इन आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी बताया जा सकता है। भाजपा लगातार यह दावा करती रही है कि राज्य में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, निवेश और आधारभूत ढांचे के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है तथा विपक्ष तथ्यों के बजाय आरोपों की राजनीति कर रहा है। विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच कांग्रेस लगातार सरकार को जनहित के मुद्दों पर घेरने की रणनीति अपना रही है। वहीं भाजपा अपनी विकास योजनाओं और संगठनात्मक मजबूती के दम पर जनता के बीच जाने की तैयारी में है। ऐसे में दोनों दलों के बीच राजनीतिक बयानबाजी आने वाले महीनों में और तेज होने की संभावना है।

शातिर बाइक चोर गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बाइक चोरी मामलों का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से चुरायी गयी तीन बाइक बरामद की गयी है। गिरफ्तार आरोपी के साथी को पुलिस पूर्व मे ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

जानकारी के अनुसार बीते दो दिन पूर्व अज्ञात व्यक्ति ने नवोदय नगर सिडकुल निवासी मनोज चौधरी की मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। बीते रोज सुजीत कुमार राय की मोटरसाइकिल सुपर स्प्लेंडर फैक्ट्री के बाहर से अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई। इस मामले में भी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी।

दोपहिया वाहन चोरी की इन घटनाओं के खुलासे के लिए गठित की गई पुलिस टीम ने विभिन्न स्तर पर प्रयास करते हुए बीती शाम सिडकुल टैप इंडिया कंपनी के तिराहे पर चैकिंग की गई। इस दौरान तेज रफ्तार में राजा बिस्कुट चौक की ओर से आ रहा एक बाइक सवार व्यक्ति पुलिस की चैकिंग देख मोटरसाइकिल वापस मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा लेकिन टायर फिसलने के कारण वहीं गिर गया। टीम ने तुरंत संदिग्ध को दबोच लिया। चैक करने पर सामने आया कि संदिग्ध द्वारा चलाई जा

रहे मोटरसाइकिल की चोरी के संबंध में थाना सिड़कुल पर मुकदमा अपराध संख्या 277/ 2026 दर्ज है। सख्ती से पूछताछ में संदिग्ध ने बताया कि यह मोटरसाइकिल उसने अपने साथी सहवाज के साथ मिलकर कुछ दिन पहले शिवालिक गंगा विहार कॉलोनी नवोदय नगर से चुरायी थी।

सहवाज को बीती 4 जुलाई को थाना सिडकुल पर पूर्व में दर्ज मुकदमे में जेल भेजा जा चुका है।पूछताछ के आधार पर पुलिस ने झाड़ी में छिपायी गई दो अन्य मोटरसाइकिल बरामद की जिनमें से एक मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस थाना सिड़कुल पर दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 275/ 26 से संबंधित व दूसरी मोटरसाइकिल शिवलोक कॉलोनी रानीपुर से चुराई गई है जिसमें कोतवाली रानीपुर मुकदमा पर 240/ 2026 पंजीकृत है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।